UGC Approved and Notified Journal No. 48704
(IIJIF Impact Factor- 2.897)
www.asianjhc.com

ISSN 2393 - 8285

Journal of Humanities and Culture

An International Research Refereed Journal
to Higher Education

VOL. IV 2017 No.2

Quarterly Journal
April - June, 2017

Editor in Chief
Anita Devi
Faculty of Arts
Banaras Hindu University
Varanasi

Editor
Anil Kumar
Faculty of Law
Banaras Hindu University
Varanasi

Journal of Humanities and Culture

An International Research Refereed Journal Related to Higher Education

A Multidisciplinary Research Journal for All

Vol. iv, No. 2, April-June, 2017, ISSN 2393-8285

Contents

Banking Services in India and Consumer Protection	*Dr. Raju Majhi*	1-8
Denotified Tribes: From Born Criminal To Habitual Criminals	*Rahul Kumar Singh*	9-13
International Criminal Court Limitations And Possibilities In Peace And Justice	*Aarti Singh*	14-19
Surrogacy and Women's Right To Health In India: Issues And Perspective	*Anil Kumar*	20-28
Economic, Social And Cultural Rights As Human Rights:An Introduction	*Kumari Ranju Bala*	29-35
Uniform Civil Code: Need To Be Retrieve	*Ravindra Narayan Tiwari*	36-40
Portrayal of Women in Indian Context : A Critical Study of Simone de Beauvoir's *The Second Sex*	*Ram Ashish Yadav*	41-47
Promoting Creativity In South Korea Multicultural Organizations	*Shyam Kumar Anand*	48-60
Emergence of International Environmental Criminal Law	*Randhir Saroj*	61-65
Challenges Before The Trade Unions in India	*Ashwini Kr. Chaudhari*	66-72
A Study of Selected Sports Injuries and Their Preventive Measures Among Men Kabaddi Players of Varanasi Distric	*Dr. Rajeev Kr. Singh* *Rajesh Bharti*	73-77
मुक्तिबोध का साहित्य और उनकी फैण्टेसी : एक अध्ययन	*डॉ. सुजीत कुमार सिंह*	78-81
नस्लवाद : अतीत और वर्तमान के परिप्रेक्ष्य में	*महाबीर कुमार*	82-85
Pre-Storage Cold Water Treatment Preserves Postharvest Quality and Extends Shelf Life of Mango (*Mangifera Indica* L.)	*Harsh Vardhan Singh* *Anil K. Singh* *Dr.Diwakar Singh*	86-94

व्यावसायिक शिक्षा की अनिवार्यता : एक सामाजिक विश्लेषण	डॉ. राम सेवक सिंह यादव	301-303
मानवाधिकार एवं पुलिस	डॉ0 अभय प्रताप सिंह	304-306
पर्यावरण प्रदूषण संस्कृति और स्वास्थ्यः अन्तर्सम्बन्ध व दुष्प्रभाव	सुनील कुमार, ओ.पी. सिंह	307-311
योगदर्शन में मानव चेतना	डॉ0 राजेश्वर प्रसाद यादव	312-314
दलित सशक्तीकरण एवं आरक्षण व्यवस्थाः एक समालोचनात्मक अध्ययन	पुनिल कुमार	315-317
प्रवासी हिन्दी उपन्यास और अभिमन्यु अनत (संदर्भ : मॉरिशस)	धर्मेन्द्र कुमार	318-324
Prospects And Challenges Faced Out In Startup India	Dr. Ashok Kumar Singh	325-330
Protection of Witnesses In Criminal Justice System	Anand Gupta	331-337
भूपेन खक्खर के चित्रः मौलिकता और सृजनात्मकता	डॉ0 नरेन्द्र सिंह	338-342
हिन्दू-धर्मस्य मूलस्रोतः	डॉ0 सुमन लता देवी	343-345
ऋत और ऋग्वेद का अंतःसम्बन्ध	डॉ0 आशा गुप्ता	346-349
स्वच्छ भारत अभियान में विद्यालयों की भूमिका	मीना कुमारी	350-354
तीन तलाक का सामाजिक एवम् विधिक मूल्य	हरि शंकर सिंह	355-358
काशी में नगर और तीर्थ स्थलों का महत्व	डॉ0 निर्मला गौतम	359-362
अज्ञेय का विम्ब संस्कार	मनीष कुमार	363-366
A comparative study of B.Ed. students' social maturity with respect to their gender and stream	ChanchalTyagi Dr. J. S. Bhardwaj	367-375
Use of ICT tools for teaching of mathematics in schools under CBSE and ICSE Board with reference to less experienced and high experienced teachers: appraisal.	Farhad Rahmani Prof.G.C. Bhattacharya	376-381
A Comparative Analysis of Rural Unemployment Problems of the States Assam and Arunachal Pradesh	Mangal Sing Kro	382-387
विषम परिस्थितियों में डा० अम्बेडकर की ज्ञान साधना एक उग्र तपश्चर्या	डा0 ज्योति सिंह गौतम	388-395
भारतीय संस्कृति और पर्यावरण	डॉ0 राकेश प्रताप शाही	396-400
भारतीय जनजातीय समाज और शिक्षा	शशि कुमार वर्मा	401-403

स्वच्छ भारत अभियान में विद्यालयों की भूमिका

*मीना कुमारी**

किसी भी देश की पहचान उस देश में रहने वाले सभी नागरिकों चाहे वो किसी भी धर्म/जाति को मानने वाले हो। कोई भी बोली/भाषा बोलने है, कोई भी वस्त्र धारण करने वाले हो, उनकी रहन–सहन, खान–पान शिक्षा स्वास्थ्य आदि से होती है। देश का निर्माण विभिन्न समुदायों/समाज से, समाज का निर्माण व्यक्ति से ही होता है। अतः किसी भी देश पर उस देश के अंदर निवास करने वाले सभी व्यक्तियों का बराबर अधिकार होता है। हमारे संविधान ने प्रत्येक व्यक्ति को अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का भी बोध कराया है। देश के भीतर निवास करने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि हमारा देश उन्नति के पथ पर अग्रसर होता रहें। चाहे हमें इसके लिये कितनी भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े। हमारे संविधान ने प्रत्येक नागरिकों का कर्तव्य निर्धारित किया हुआ है ताकि देश में नैतिकता व चरित्र का स्थान बना रहें। लोगों में नैतिक मूल्यों और शिक्षा की स्थापना के लिये विद्यालयों की स्थापना की गयी है और अध्यापकों की नियुक्ति की गयी है, ताकि समाज के सबसे निम्नतम बिन्दु पर खड़ा नन्हा बालक भी देश की संस्कृति व नैतिकता की शिक्षा ग्रहण कर सकें। किसी भी बच्चे के अदंर गुण/अवगुण के विकास की नींव बच्चे की प्रथम पाठशाला परविार से ही प्रारंभ होती है, और उसी नींव पर विद्यालयों में भवन का निर्माण किया जाता है।

यदि बच्चों में परिवार और विद्यालयों के द्वारा अच्छी आदतें बचपन में ही सिखायी जाती है, तो वह गुण जीवन–पर्यन्त व्यवहार में बना रहता है। यही कारण है कि किसी भी योजना या कार्य को अगर देश के जन–गण–मन तक पहुंचाना हो तो उसकी शुरुआत विद्यालयों से ही करनी चाहिये, क्योंकि यही से देश के भविष्य का निर्माण होता है। यहां देश के मार्गदर्शक, पथप्रदर्शक शिक्षा ग्रहण कराते है। अतः हमें किसी भी योजना की व्यापकता को प्राप्त करना है तो उसे प्रायोगिक तौर पर विद्यालयों से जोड़ना होगा, और उसमें भी वह योजना जो व्यक्ति/समाज/राष्ट्र से प्रत्यक्ष रुप से जुड़ा हो तो विद्यालयों की भूमिका को हम नकार नहीं सकते है।

ऐसी ही एक योजना है ''स्वच्छ भारत अभियान' जो सीधे तौर पर जन–जन से जुड़ी हुई है। हजार रोगों की एक दवा है 'स्वच्छता'। इन्हीं सभी समस्याओं के समाधार के लिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की।

स्वच्छ भारत अभियान–

स्वच्छ भारत अभियान एक राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान है। जो भारत सरकार द्वारा शुरु किया गया है। इस अभियान को 02 अक्टूबर 2014 को बापू के 145वें जन्मदिवस के शुभ अवसर पर आरंभ किया गया। यह अभियान अपने आस–पास तथा वातावरण में व्याप्त गंदगी रुपी अंधकार को हटाकर स्वच्छता रुपी प्रकाश को लाने के लिये भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक बहुत बड़ा जन आंदोलन है।

प्रारंभ में इस अभियान के तहत 4041 सांविधिक नगरों के सड़क, पैदल मार्ग और कई अन्य स्थान लिये गये। बाद में इस योजना को व्यापक स्तर पर पूरे देश में लागू कर दिया गया। भारत के शहरी विकास तथा पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय के तहत इस अभियान को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रो में लागू किया गया है। इस योजना का उद्देश्य सफाई व्यवस्था की समस्या का समाधान निकालना तथा सभी को स्वच्छता की सुविधा के निर्माण द्वारा पूरे भारत में बेहतर मल प्रबंधन करना है।

*Assist. Prof.(Special Edu.) Guru Ghasidas University, Bilaspur(C.G.)